## धरनीदास

*[धरनीदास सारण जिला के माँझी के रहनियार रहीं । इहाँ के संत कवि रहीं । आजो इहाँ के मठ माँझी में बा । इहाँ के दूगो ग्रंथ बा -'प्रेम प्रकाश' आ 'शब्द प्रकाश' । संत धरनीदास के कविता में साढ़े तीन सव बरिस पहिले के भोजपुरी भाषा के नमूना सुरक्षित बा । इहाँ के कविता सरल आ सहज बा ।]*

---

# धरनीदास

: 1 :

बहुत दिनन पिय बसल बिदेसा ।
आजु सुनल निज अवन संदेसा ॥1॥
चित चितसरिया मैं लिहलों लिखाई ।
हृदय कमल धइलों दियना लेसाई ॥2॥

प्रेम पलंग तहँ धइलों बिछाई ।
नखसिख सहज सिंगार बनाई ॥3॥
मन हित अगुमन दिहल चलाई ।
नयन धइल दोउ दुअरा बैसाई ॥4॥
धरनी धनि पल पल अकुलाई ।
बिनु पिया जिवन अकारथ जाई ॥5॥

(बानी 1/2)

: 2 :

जहिया भइल गुरू उपदेस । अंग अंग के मिटल कलेस ॥1॥
सुनत सजग भयो जीव । जनु अगिनी परे घीव ॥2॥
उर उपजल प्रभु प्रेम । छुटि गे तब व्रत नेम ॥3॥
जब घर भइल अँजोर । तब मन मानल मोर ॥4॥
देखे से कहल न जाय । कहले न जग पतियाय ॥5॥
धरनी धन तिन भाग । जेहि उपजल अनुराग ॥6॥

●

1. पाठशाला, चित्रशाला ।

## अभ्यास

### बहुविकल्पी/वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. धरनीदास जी एह पद में 'धनि' का रूप में केकर वर्णन कइले बाड़े ?

   (क) परमात्मा के (ख) आत्मा (जीव) के

   (ग) गुरु के (घ) संसार के

2. जिनगी कब अकारथ (व्यर्थ) होले ?

   (क) संसार में आदमी का जब सुख ना मिले ।

   (ख) आदमी का जब धन-सम्पदा ना मिले ।

   (ग) जब ईश्वर से मिलन ना होखे ।

   (घ) जब आदमी जिनगी भजन-कीर्तन में गँवा देला ।

3. धरनीदास का अनुसार आदमी का हृदय में अँजोर कब होला ?

   (क) जब दीया लेस के श्रइल जाला ।

   (ख) जब गुरु का उपदेस से हृदय में प्रभु-प्रेम उपजेला ।

   (ग) जब आग में घीव पड़ेला ।

   (घ) जब अंग-अंग के कलेस मिट जाला ।

### अति लघुउत्तरीय प्रश्न

1. धरनीदास केकरा के भाग्यशाली मनले बानी ?

2. ईश्वर के जे देख लेला, ऊ कुछ कह ना पावे आ कहलो पर संसार पतिआय ना, काहे ?
3. जब हृदय में प्रभु-प्रेम उपजेला तब आदमी से कवन चीफ छूट जाला ?
4. आदमी के कलेस कब मिट जाला ?
5. आत्मा रूपी प्रेमिका हर पल काहे अकुलाइल बिआ ?
6. जीव का सुन के सजग हो जाला ?

## लघु उत्तरीय प्रश्न

1. बहुत दिन से विदेश में बसल पिया का आवे के सनेस पाके धनि मिले बदे का-का तइयारी कर रहलि बिआ ?
2. आध्यात्मिक विकास में गुरु का उपदेस के का महत्त्व होला ?
3. धरनीदास का कवनो एगो पद के अर्थ अपना शब्द में लिखीं ।
4. प्रभु-मिलन के सनेस सुनि के अकुलात जीवात्मा के वर्णन करीं ।

## परियोजना कार्य

1. रउवा अगल-बगल का गाँव में केहू संत भइल होखे त ओकरा जीवन आ विचार के बारे में पता करीं ।

●